Out of 91 persons arrested during the two years 73 were prosecuted, police complaints lodged against 5 persons and departmental action being taken against remaining 13.

(c) and (d) The steps taken by the Government to check illegal hunting of wild animals include.

(1) Hunting of wild animals belonging to schedule I, II, III and IV of Wildlife (Protection) Act has been banned.

(2) Mobile squad headed by ACF with armed personnel are established for patrolling and keeping vigilance.

(3) Checking nakas are established at strategic points.

(4) For effective communication system, wireless sets are provided.

(5) Special staff are provided for proper management, development and protection of wild animals in the Sanctuary/National Park and also outside forest areas.

(6) to create awareness in the public, nature education camps are organised and interpretation centres are created.

(7) Central assistance is provied to State/UT Governments for strengthening of anti-poaching infrastructure.

(8) Raids are carried out by the Wildlife Authorities whenever information of illegal trading in wild animals reaches them.

(9) Cooperation of Police, Coast Guard and Army is also taken in apprehending the poachers and illegal traders.

(10) International trade in endangered species of animals and articles made thereof is regulated under the provisions of the Convention of International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).

वनीकरण योजना का कार्यान्वयन

1590. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:**
श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन:

क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में अब तक 30 अक्तूबर, 1993 तक राज्य-वार तथा जिले-वार वनीकरण के क्या परिणाम निकले हैं;

(ख) क्या इस योजना को पूरी तरह लागू किया गया है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उस पर राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया क्या रही है;

(घ) क्या सरकार ने वनीकरण मानदण्डों को लागू करने के लिये विभिन्न संबद्ध संगठनों/संस्थानों को भी शामिल किया है और उन्होंने किस हद तक अपना समर्थन दिया है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) से (ग) 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलापों के राज्यवार लक्ष्य धनराशि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर प्रत्येक वर्ष निर्धारित किए जाते हैं। वर्ष 1993-94 के लिए जो राज्य-वार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और राज्य सरकारों ने अक्तूबर, 1993 तक की जो उपलब्धियां सूचित की हैं, उनका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है **(नीचे देखिए)**। वर्ष 1993-94 के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की अंतिम स्थिति तभी स्पष्ट होगी जब राज्य सरकारें मार्च, 1994 की समाप्ति पर अपनी-अपनी रिपोर्टें भेजेंगी। प्रगति को ध्यान में रखते हुए आशा है वर्ष 1993-94 के लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया जाएगा।

(घ) और (ङ) 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलाप राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से चलाए जाते हैं। राज्यों में ये योजनाएं राज्य वन विभाग, राज्य कृषि विभाग, जिला ग्रामीण विकास अभिकरणों आदि के माध्यम से कार्यान्वित की जाती हैं। केन्द्र सरकार की जिन योजनाओं में वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलापों को बढ़ावा दिया जा रहा है उनमें शामिल हैं, पर्यावरण और वन मंत्रालय की योजनाएं जैसे एकीकृत वनीकरण और पारिस्थितिकीय विकास परियोजनाओं की स्कीम, ईंधन लकड़ी और चारा परियोजनाओं की स्कीम,

लघुवनोत्पाद स्कीम आदि, कृषि मंत्रालय की योजनाएं जैसे नदी घाटी परियोजनाओं की स्कीम, वर्षासिंचित क्षेत्रों की राष्ट्रीय जलाशय विकास परियोजना आदि, ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजनाएं जैसे मरूस्थल विकास कार्यक्रम, सूखा-प्रवण क्षेत्रों का कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, समेकित बंजर भूमि विकास परियोजनाओं की स्कीम आदि। इस प्रकार संबंधित सरकारी विभाग वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलापों में दिया गया है। इसके अतिरिक्त पर्यावरण और वन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में थित बंजर भूमि विकास विभाग वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलाप चलाने के लिए स्वैच्छिक अभिकरणों/गैर-सरकारी संगठनों को अनुदान सहायता योजना के माध्यम से धनराशि उपलब्ध करते हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि 20 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलापों के जिलेवार ब्यौरे प्राप्त करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकारों से वर्ष 1991-92 के दौरान किए गए इन कार्यकलापों की सूचना भेजे जाने का अनुरोध किया गया था। राज्य सरकारों से प्राप्त सूचना संसद के पुस्तकालय में रखी गई है।

विवरण

वर्ष 1993-94 के दौरान 20 सूत्री कार्यक्रम के सूत्र सं॰ 16 (वनीकरण / वृक्षारोपण) के अन्तर्गत राज्य-वार वार्षिक लक्ष्य और उपलब्धियां

(क्षेत्र हैक्टेर में) (पौद लाख में)

क्रम॰ सं॰	राज्य / सं॰शा॰प्र॰ का नाम	वार्षिक लक्ष्य		उपलब्धि (संचित)		
		पौध वितरण (निजी भूमि पर रोपण हेतु)	क्षेत्र (वन भूमि सहित सार्वजनिक भूमि)	अक्तूबर 93 तक पौध विवरण (निजी भूमि पर रोपण हेतु)	क्षेत्र (वन भूमि सहित सार्वजनिक भूमि)	
1	2	3	4	5	6	
1.	आन्ध्र प्रदेश	1950.00	70000.00	414.58	16660.00	अग॰ 93
2.	अरूणाचल प्रदेश	5.00	7500.00	0.97	83.15	
3.	असम	30.00	27500.00	9.56	17032.50	
4.	बिहार	750.00	50000.00	सू॰न॰	सू॰न॰	
5.	गोवा	30.00	1800.00	33.46	1838.50	
6.	गुजरात	1500.00	68000.00	1478.01	65672.00	
7.	हरियाणा	300.00	37500.00	190.18	32625.00	
8.	हिमाचल प्रदेश	75.00	35000.00	16.10	20742.00	
9.	जम्मू और कश्मीर	60.00	20000.00	6.50	3195.00	सि॰ 93
10.	कर्नाटक	450.00	42500.00	260.15	44604.39	
11.	केरल	300.00	15000.00	41.51	151.60	जु॰ 93
12.	मध्य प्रदेश	400.00	125000.00	364.39	83681.62	सि॰ 93
13.	महाराष्ट्र	1200.00	180000.00	534.03	99101.09	
14.	मणिपुर	30.00	9500.00	2.72	2278.00	अग॰ 93
15.	मेघालय	125.00	19000.00	15.14	11771.00	सि॰ 93
16.	मिजोरम	10.00	14000.00	15.65	16750.00	
17.	नागालैंड	120.00	7500.00	सू॰न॰	सू॰न॰	
18.	उड़ीसा	550.00	75000.00	387.03	68962.00	
19.	पंजाब	80.00	18000.00	25.51	15829.00	
20.	राजस्थान	400.00	65000.00	405.13	66729.00	
21.	सिक्किम	18.00	8500.00	10.85	6987.82	
22.	तमिलनाडु	1000.00	114000.00	58.14	5487.91	अग॰ 93
23.	त्रिपुरा	50.00	17700.00	26.06	6035.00	

24.	उत्तर प्रदेश	3200.00	85000.00	45.12	8889.57 जू॰ 93
25.	पश्चिम बंगाल	800.00	45000.00	सू॰नं॰	सू॰नं॰
26.	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	5.00	3300.00	4.58	2979.79
27.	चण्डीगढ़	0.00	500.00	0.05	8.00 जू॰ 93
28.	दादर व नगर हवेली	12.00	1100.00	12.02	894.60 अग॰ 93
29.	दमन व द्वीप	1.00	150.00	0.72	36.00
30.	दिल्ली	50.00	2000.00	36.90	1341.80
31.	लक्षद्वीप	4.00	50.00	3.84	47.00
32.	पण्डचेरी	4.00	200.00	0.00	13.79
	लक्ष्य :	13509.00	1165300.00	4398.90	600427.13

00—शून्य सूचना दी गई है।
सू॰नं॰—सूचित नहीं किया गया है।

Launching of Environmental Projects in M.P. with external assistance

1591. SHRI DILIP SINGH JUDEV: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what are the details of Environmental Projects being launched in Madhya Pradesh with external assistance;

(b) what is the amount of aid received in each case, project-wise;

(c) the progress made so far, project-wise; and

(d) what are the details of the project proposed to be launched with external assistance during 1994-95?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (d) The following projects have been posed for external assistance:

(1) A project for conservation and management of upper and lower lakes of Bhopal for Japanese assistance under the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF).

(2) A project for upgrading the productivity of degraded forest lands and to strengthen the arrangements for wildlife protection and to permit participatory management for forests for World Bank assistance.

(3) A project for the establishment of Forest Tree Improvement Development Centre in Chhindwara District of Madhya Pradesh has been proposed for funding as grant-in-aid from Japan for a period of 5 years.

Process of Weeding Water Hyacinth

1592. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that scientists have developed a process of weeding water hyacinth in order to control their growth; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) Yes, Sir, physical, biological and chemical methods have been developed for weeding water hyacinth.

The physical methods are most commonly used. These include removal of the weed by hand or by mechanical harvesters. The entry of water hyacinth mats into uninfested waters can be physically checked with strong bamboo or steel screens.

Biological methods involve the use of insects and other aquatic animals which have been found to feed upon water hyacinth. Promising insects which feed on water hyacinth include *Neochetina bruchi* and *Neo-chetina eichhorniae*. The former